

प्रेषक,

ओम प्रकाश,
अपर मुख्य सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
प्रशिक्षण, उत्तराखण्ड,
हल्द्वानी (नैनीताल)।

प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा अनुभाग-2

देहरादून, दिनांक : 16 जनवरी, 2017

विषय: श्री उपेन्द्र सिंह तडियाल, कनिष्ठ सहायक, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, दुगड्डा (पौड़ी गढवाल) की माता जी के 'HIM, T2DM, Nephrology' नामक रोग की चिकित्सा प्रतिपूर्ति की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 14404-05/डीटीईयू/0202/चि0प्रति0/08/2015 दिनांक 28.10.2015 की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री उपेन्द्र सिंह तडियाल, कनिष्ठ सहायक, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, दुगड्डा (पौड़ी गढवाल) की माता जी के 'HIM, T2DM, Nephrology' नामक रोग 'श्री मंहत इन्द्रेण हॉस्पिटल, पटेल नगर, देहरादून में दिनांक 02.07.2015 से 24.07.2015 तक उपचार पर हुए कुल व्यय धनराशि ₹1,30,622.00/- (रु0 एक लाख तीस हजार छः सौ बाईस मात्र) के सापेक्ष महानिदेशक, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, पौड़ी गढवाल के पत्र संख्या प्रतिपूर्ति दावा/चि0उ0/2015-16/166 दिनांक 08.10.2015 द्वारा नियमानुसार प्रतिहस्ताक्षरित/संस्तुत धनराशि ₹1,15,259.00/- (रु0 एक लाख पन्द्रह हजार दो सौ उनसठ मात्र) की प्रतिपूर्ति, शासनादेश दिनांक 04.9.2006 में निहित प्राविधानों/शर्तों के अधीन किए जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- शासनादेश संख्या 679/चि0-3-2006-437/2002 दिनांक 04.9.2006 के प्रस्तर-02, 06 तथा 07 में निहित प्राविधानों/शर्तों के आलोक में परीक्षणोपरान्त उक्त चिकित्सा प्रतिपूर्ति दावा उपयुक्त पाया गया।

3- प्रकरण निर्धारित नियमों एवं प्रक्रियाओं के अधीन निर्धारित समयसीमा के अन्तर्गत प्रस्तुत किया है।

4- यह भी निर्देशित किया जाता है कि प्रकरण में वित्त (वे.आ.-सा.नि.) अनुभाग-07, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या 286/XXVII(7)09(II)/2011 दिनांक 30.12.2011 एवं समय-समय पर निर्गत शासनादेशों में निहित व्यवस्था/प्राविधानों के अनुसार अपने स्तर से अग्रेत्तर कार्यवाही सुनिश्चित करें।

5- सुनिश्चित कर लिया जाय कि पूर्व में अथवा अन्य स्रोतों से भुगतान नहीं किया गया है, तदनुसार चिकित्सा प्रतिपूर्ति का दावा शासनादेश दिनांक 04.9.2006 में निहित प्राविधानानुसार, नियमानुसार देय है।

6- साथ ही यह भी सुनिश्चित कर लिया जाय कि उक्त प्रतिपूर्ति दावे के संबंध में यदि कोई अग्रिम दिया गया हो तो उसका समायोजन नियमानुसार कर लिया जाय।

7- इस संबंध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2016-17 के 'अनुदान संख्या-16' के 'आयोजनेत्तर पक्ष' के अधीन लेखाशीर्षक '2230-श्रम तथा रोजगार, 03-प्रशिक्षण आयोजनेत्तर, 003-दस्तकारों तथा पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण, 03-दस्तकार प्रशिक्षण योजना एवं अधिष्ठान के मानक मद संख्या 27-चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति के नामे डाला जायेगा।

8- यह अनुमति उक्त संस्थान में कराये गये उपचार की उक्त अवधि के लिये ही मान्य होगी। तदनुसार आपके उक्त संदर्भित पत्र दिनांक 01-10-2015 के साथ प्राप्त अभिलेखों को मूल रूप में अग्रेत्तर कार्यवाही हेतु वापस किये जा रहे हैं।

संलग्नक : यथोपरि (स्वास्थ्य उपचार संबंधी समस्त बिल बाऊचर्स मूलरूप में)।


भवदीय,

(ओम प्रकाश)
अपर मुख्य सचिव।

संख्या : 68 (1)/ XLI-1/2017 - 95(चि0प्रति0-प्रशि0)/2016 तददिनांक।
प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1). महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2). निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएं, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 3). वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, पौड़ी गढ़वाल।
- 4). वरिष्ठ वित्त अधिकारी, प्रशिक्षण एवं सेवायोजन को सूचनार्थ एवं इस निर्देश के साथ प्रेषित कि उपरोक्त प्रकरण पर कार्यवाही करते हुये कृत कार्यवाही से शासन को भी अवगत कराने का कष्ट करें।
- 5). प्रधानाचार्य, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, दुगड्डा (पौड़ी गढ़वाल)।
- 6). वित्त अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन।
- 7). श्री उपेन्द्र सिंह तडियाल, कनिष्ठ सहायक, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, दुगड्डा (पौड़ी गढ़वाल)।
- 8). एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, उत्तराखण्ड।
- 9). चिकित्सा प्रतिपूर्ति से संबंधित गार्ड फाइल हेतु।

आज्ञा से,


(जी0 एस0 बिष्ट)
उप सचिव।